मीडिया समन्वय कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 07 अगस्त 2017

स्वदेशी आंदोलन से जुड़े जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने मनाया हथकरघा दिवस

महात्मा गांधी के खादी और स्वदेशी आंदोलन से जुड़े जामिया मिल्लिया इस्लामिया में '' राष्ट्रीय हथकरघा दिवस '' मनाया गया। 7 अगस्त को मनाए जाने वाले '' हथकरघा दिवस '' पर जेएमआई में बड़ा कार्यक्रम आयोजित होता है जिसमें खादी और हथकरघा को बढ़ावा देने वाले देश के अग्रणी लोग हिस्सा लेते हैं। इस कार्यक्रम में सूचना एवं प्रसारण तथा कपड़ा मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा मशहूर हथकरघा शिल्पकारों ने भी हिस्सा लिया।

इस मौक़े पर जेएमआई की डिबेटिंग सोसायटी '' **बोल** '' की ओर से अंतर विश्वविद्यालय वाद–विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ जिसका विषय था **'' इस सदन का मानना है कि हथकरघा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए भारत में दूसरा स्वदेशी आंदोलन शुरू करने का समय आ गया है। ''** हिन्दी, उर्दू और अंग्रेज़ी में आयोजित इस प्रतियोगिता में 50 छात्रों ने हिस्सा लिया।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से इस अवसर पर जेएमआई के एम ए अंसारी सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और जेएमआई मानविकी एवं भाषा विभाग के डीन प्रोफेसर वहाजुद्दीन अलवी ने कहा, '' जेएमआई का खादी और स्वदेशी से प्रारंभ से ही साथ रहा है। इस विश्वविद्यालय का जन्म महात्मा गांधी के आह्वान पर ब्रिटिश शिक्षा के खिलाफ हुआ था। ''

उन्होंने बताया कि आज़ादी के कुछ साल बाद तक जेएमआई के छात्र हथकरघा से बुने कपड़ों के कुर्ते और टोपी पहनते थे। इसके चलते वे दूर से ही पहचान में आ जाते थे। उन्होंने बताया कि उस समय जेएमआई ही अकेला विश्वविश्द्यालय था जिसके सभी छात्र और अध्यापक हथकरघा से बुने कपड़े पहनते थे।

बचपन से ही हथकरघा उद्योग के लिए समर्पित और ' संत कबीर पुरस्कार ' से सम्मानित श्री खेमराज ने कहा कि स्वत्रंता के बाद सरकार द्वारा हथकरघा को बढ़ावा देने का आज नतीजा यह है कि '' जो अंग्रेज़ कभी हमारे हथकरघा के दुश्मन थे और जिन्होंने हमारे इस फलते फूलते उद्योग को तबाह कर दिया था, आज वही हमारे हथकरघा कपडों के गुलाम हो गए हैं। हमारे हथकरघा सामान सबसे ज़्यादा वही खरीदते हैं।''

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के में क्षेत्रीय प्रचार निदेशक राजेश बाली ने कहा कि हथकरघा कपड़े विदेशों में काफी लोकप्रिय हो चुके हैं लेकिन जरूरत है इसे देश में जन जन तक लोकप्रिय करने की जिससे इस उद्योग का विस्तार हो सके।

वाद विवाद प्रतियोगिता के तहत अंग्रेज़ी में आतिफ यमीन, अरीशा अमीन और रीम क़मर प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहे। हिन्दी में हाशिम सिद्दीक़ी प्रथम, तसनीम फातिमा द्वितीय और मुकुल सिंह तृतीय स्थान पर आए। उर्दू प्रतियोगिता में मुहम्मद असलम पहले और मुहम्मद फैसल दूसरे स्थान पर आए।

जेएमआई वाद विवाद सोसायटी की संयोजक शीमा अलीम और सह संयोजक असमत जहां ने इस डिबेट का आयोजन किया।

साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर

ज्ञतनजप क्मअ 010